प्रिय मित्रों,

मुझे विश्वास है, आपने कई बार सुना होगा कि जहां स्वच्छता होती है वहीं देवताओं का वास होता है, लेकिन जब व्यवहारिकता की बात आती है तो स्थिति अक्सर विपरीत मिलती है।

हम, 02 अक्तूबर को भारत को स्वच्छ बनाने के लिए बड़े स्तर पर जन आंदोलन **''स्वच्छ भारत अभियान''** आरम्भ कर रहे हैं। वर्ष 2019 में जब हम बापू की 150वीं जयंती मना रहे होंगे तो एक **स्वच्छ भारत** उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगा। महात्मा गांधी ने अपना पूरा जीवन स्वराज्य प्राप्ति के लिए अर्पित कर दिया, अब समय आ गया है कि हम अपनी मातृभूमि की स्वच्छता के लिए स्वयं को समर्पित कर दें।

मैं, आप में से हरेक से आग्रह करता हूं कि स्वच्छता के लिए प्रत्येक सप्ताह दो घंटे यानि प्रतिवर्ष लगभग एक सौ घंटे का योगदान दें। हम अब भारत को और अधिक अस्वच्छ नहीं रहने दे सकते। 02 अक्तूबर को मैं स्वयं इस पावन कार्य के लिए झाड़ू लेकर निकलूंगा।

मैं, आज हरेक उस व्यक्ति, विशेषकर राजनीतिक और धार्मिक नेताओं, महापौर, सरपंचों और उद्योग जगत के अग्रजों से अपील करता हूं कि वे शहरों और आसपास के क्षेत्रों, गांवों, कार्यस्थलों और यहां तक कि अपने घरों की स्वच्छता की कार्य-योजना बनाकर मनोयोग से उसे क्रियान्वित करने में जुट जाएं। मैं, स्वच्छ भारत के निर्माण के इस सामूहिक प्रयास में आप सबकी भागीदारी और सक्रिय योगदान का अनुरोध करता हूं।

आपका,

नरेंद्र मोदी